CTET पेपर II

सामाजिक विज्ञान
अध्यायवार अध्ययन सामग्री

हिंदी माध्यम · कक्षा 6–8 (उच्च प्राथमिक स्तर)

इतिहास · भूगोल · राजनीति विज्ञान (नागरिकशास्त्र)
अर्थशास्त्र · सामाजिक विज्ञान का शिक्षाशास्त्र

ZENITH EDUCARE
Excellence Since 2010 · www.zenitheducare.com

विषय-सूची

खंड 1 — इतिहास

अध्याय 1: स्रोत एवं प्राचीन भारत

अध्याय 2: मध्यकालीन भारत

अध्याय 3: आधुनिक भारत एवं स्वतंत्रता संग्राम

खंड 2 — भूगोल

अध्याय 4: पृथ्वी, अक्षांश एवं देशांतर

अध्याय 5: भू-आकृतियाँ, वायुमंडल एवं जल

अध्याय 6: भारत — भौतिक स्वरूप, जलवायु एवं संसाधन

खंड 3 — राजनीति विज्ञान / नागरिकशास्त्र

अध्याय 7: भारतीय संविधान एवं अधिकार

अध्याय 8: सरकार — संघ, राज्य एवं स्थानीय

अध्याय 9: लोकतंत्र, चुनाव एवं विविधिता

खंड 4 — अर्थशास्त्र

अध्याय 10: आर्थिक अवधारणाएँ

अध्याय 11: क्षेत्रक, मुद्रा एवं विकास

खंड 5 — सामाजिक विज्ञान का शिक्षाशास्त्र

अध्याय 12: प्रकृति, उद्देश्य एवं विधियाँ

अध्याय 13: शिक्षण-सहायक, परियोजना एवं आकलन

नोट: CTET पेपर II में सामाजिक विज्ञान के 60 प्रश्न होते हैं (40 इतिहास/भूगोल/नागरिकशास्त्र/अर्थशास्त्र विषयवस्तु + 20 शिक्षाशास्त्र)। बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र तथा भाषा I एवं II पेपर I की अध्ययन सामग्री में हैं।

खंड 1

इतिहास

स्रोत, और प्राचीन से आधुनिक काल तक भारत की कहानी · ~20 प्रश्न (विषयवस्तु + शिक्षाशास्त्र)

अध्याय 1: स्रोत एवं प्राचीन भारत

इतिहास के स्रोत

प्राथमिक स्रोत	उस काल के मूल अभिलेख — शिलालेख, सिक्के, स्मारक, औज़ार, हस्तलिपियाँ, कलाकृतियाँ।
द्वितीयक स्रोत	प्राथमिक स्रोतों पर आधारित बाद के विवरण — पाठ्यपुस्तकें, इतिहास की पुस्तकें, लेख।
पुरातात्विक स्रोत	भौतिक अवशेष: उत्खनित औज़ार, मृद्भांड, भवन, मुहरें, सिक्के।
साहित्यिक स्रोत	लिखित ग्रंथ: वेद, महाकाव्य, यात्रा-वृत्तांत (फाह्यान, ह्वेनसांग), दरबारी इतिवृत्त।

सिंधु घाटी (हड़प्पा) सभ्यता

- विश्व की प्रारंभिक नगरीय सभ्यताओं में से एक (लगभग 2500 ई.पू.), उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिम में।
- नगर नियोजन, ग्रिड सड़कें, जल निकासी प्रणाली, विशाल स्नानागार (मोहनजोदड़ो) एवं गोदी (लोथल) के लिए प्रसिद्ध।
- कांस्य-युगीन संस्कृति; लिपि अभी अपठित; व्यापार एवं मानकीकृत बाट।

वैदिक काल, साम्राज्य एवं धर्म

काल / साम्राज्य	मुख्य तथ्य
वैदिक काल	वेदों की रचना (संस्कृत में); ऋग्वेद सबसे पुराना; समाज वर्णों में संगठित।
महाजनपद	16 बड़े राज्य; मगध सबसे शक्तिशाली।
मौर्य साम्राज्य	चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा स्थापित (321 ई.पू.), कौटिल्य (अर्थशास्त्र) के मार्गदर्शन में। अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद बौद्ध धर्म अपनाया व धम्म फैलाया।
गुप्त साम्राज्य	चंद्रगुप्त प्रथम द्वारा स्थापित; स्वर्ण युग — गणित (शून्य, दशमलव), खगोल, कला में प्रगति; दरबार में कालिदास।
धर्म	बौद्ध (गौतम बुद्ध) एवं जैन (महावीर) धर्म 6ठी सदी ई.पू. में उभरे, अहिंसा पर बल।

परीक्षा टिप: शिलालेख/सिक्के/स्मारक = प्राथमिक स्रोत; पाठ्यपुस्तकें = द्वितीयक। मौर्य संस्थापक = चंद्रगुप्त मौर्य; अशोक → कलिंग युद्ध → बौद्ध धर्म। गुप्त काल = स्वर्ण युग।

अध्याय 2: मध्यकालीन भारत

वंश / शासक	मुख्य तथ्य
दिल्ली सल्तनत	वंशों की श्रृंखला (गुलाम, खिलजी, तुगलक, सैयद, लोदी) 1206–1526। कुतुबुद्दीन ऐबक ने कुतुब मीनार आरंभ की।
विजयनगर व बहमनी	शक्तिशाली दक्षिणी राज्य; हम्पी एक महान राजधानी थी।

वंश / शासक	मुख्य तथ्य
मुगल साम्राज्य	बाबर द्वारा स्थापित (पानीपत युद्ध, 1526)। अकबर — धार्मिक सहिष्णुता, दीन-ए-इलाही; शाहजहाँ ने ताजमहल बनवाया; औरंगज़ेब अंतिम महान मुगल।
भक्ति व सूफी	भक्ति संत (कबीर, मीरा, तुलसीदास, गुरु नानक) एवं सूफी संतों ने भक्ति, समानता व सौहार्द का उपदेश दिया।
मराठा	शिवाजी द्वारा स्थापित; मुगलों के विरुद्ध प्रबल क्षेत्रीय शक्ति।

- स्थापत्य का विकास: किले, मस्जिदें, मंदिर, उद्यान; इंडो-इस्लामिक शैली विकसित हुई।
- इब्न बतूता जैसे यात्रियों ने मध्यकालीन भारत का जीवन दर्ज किया।

परीक्षा टिप: मुगल संस्थापक = बाबर (1526 पानीपत); ताजमहल = शाहजहाँ; कुतुब मीनार कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा आरंभ। भक्ति-सूफी आंदोलनों ने समानता व भक्ति पर बल दिया।

अध्याय 3: आधुनिक भारत एवं स्वतंत्रता संग्राम

घटना / आंदोलन	वर्ष	महत्व
प्लासी का युद्ध	1757	क्लाइव ने बंगाल के नवाब को हराया — ब्रिटिश राजनीतिक सत्ता की शुरुआत।
1857 का विद्रोह	1857	प्रथम स्वतंत्रता संग्राम; मेरठ से आरंभ।
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	1885	प्रथम अधिवेशन बंबई में; स्वतंत्रता आंदोलन का मंच।
बंगाल विभाजन / स्वदेशी	1905	ब्रिटिश वस्तुओं का बहिष्कार; भारतीय वस्तुओं को बढ़ावा।
जलियाँवाला बाग	1919	अमृतसर में जनरल डायर द्वारा नरसंहार।
असहयोग आंदोलन	1920	गांधी द्वारा नेतृत्व; ब्रिटिश संस्थाओं का बहिष्कार।
दांडी मार्च / नमक सत्याग्रह	1930	नमक कानून के विरुद्ध गांधी का मार्च।
भारत छोड़ो	1942	"करो या मरो"; स्वतंत्रता हेतु अंतिम जन-आंदोलन।
स्वतंत्रता	1947	भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ।

- प्रमुख नेता: महात्मा गांधी (अहिंसा, सत्याग्रह), नेहरू, सरदार पटेल ("लौह पुरुष"), सुभाष चंद्र बोस (आज़ाद हिंद फौज), भगत सिंह।
- समाज सुधारक: राजा राम मोहन राय (ब्रह्म समाज, सती के विरुद्ध), स्वामी दयानंद (आर्य समाज), विवेकानंद।

परीक्षा टिप: तिथि–घटना जोड़ियाँ याद रखें: 1857 विद्रोह, 1885 कांग्रेस, 1919 जलियाँवाला, 1930 दांडी, 1942 भारत छोड़ो, 1947 स्वतंत्रता। "करो या मरो" = भारत छोड़ो 1942।

खंड 2

भूगोल

पृथ्वी, उसकी वशिेषताएँ एवं भारत का भूगोल · ~10 प्रश्न (वषियवस्तु + शक्षिाशास्त्र)

अध्याय 4: पृथ्वी, अक्षांश एवं देशांतर

- पृथ्वी सूर्य से तीसरा ग्रह है; जीवन को धारण करने वाला एकमात्र ज्ञात ग्रह।
- यह ध्रुवों पर थोड़ी चपटी है — एक भू-आभ (geoid)। ग्लोब इसका सच्चा छोटा मॉडल है।

अक्षांश	भूमध्य रेखा (0°) के समानांतर काल्पनकि रेखाएँ। कर्क रेखा 23.5°उ, मकर रेखा 23.5°द, आर्कटकि व अंटार्कटकि वृत्त 66.5°, ध्रुव 90°।
देशांतर	ध्रुव से ध्रुव तक रेखाएँ। प्रधान मध्याह्न रेखा = 0° (ग्रीनवचि से गुज़रती)। समय एवं समय-क्षेत्र की गणना हेतु प्रयुक्त।
भूमध्य रेखा	0° अक्षांश; पृथ्वी को उत्तरी व दक्षणिी गोलार्ध में बाँटती है।
घूर्णन (Rotation)	पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है (24 घंटे) → दनि व रात।
परक्रिमण (Revolution)	पृथ्वी सूर्य की परक्रिमा करती है (365▯ दनि) → ऋतुएँ; हर 4 वर्ष में लीप वर्ष।

- उत्तरी गोलार्ध में सबसे लंबा दनि ~21 जून (ग्रीष्म अयनांत); सबसे छोटा ~22 दसिंबर (शीत अयनांत)।

परीक्षा टपि: प्रधान मध्याह्न रेखा = 0° देशांतर, ग्रीनवचि से; भूमध्य रेखा = 0° अक्षांश। घूर्णन → दनि/रात; परक्रिमण → ऋतुएँ। कर्क रेखा = 23.5°उ।

अध्याय 5: भू-आकृतियाँ, वायुमंडल एवं जल

भू-आकृतियाँ

- प्रमुख भू-आकृतियाँ: पर्वत (वलति, भ्रंश, ज्वालामुखीय), पठार (ऊँची समतल भूमि) एवं मैदान (समतल, उपजाऊ, घनी आबादी)।
- आंतरकि (अंतर्जात) बल भूमि बनाते हैं — भूकंप, ज्वालामुखी; बाह्य (बहर्जिात) बल — अपक्षय, नदी/पवन/हमिनद द्वारा अपरदन — उसे घसिते हैं।
- भूकंप रक्टिर पैमाने पर मापे जाते हैं।

वायुमंडल

- परतें: क्षोभमंडल, समतापमंडल (ओज़ोन), मध्यमंडल, बाह्यमंडल।
- संघटन: नाइट्रोजन ~78%, ऑक्सीजन ~21%, अन्य (CO_2, आर्गन) ~1%।
- मौसम = दनि-प्रतदिनि की स्थति; जलवायु = लंबे समय का औसत।

जलमंडल (जल)

- महासागर पृथ्वी का ~71% ढकते हैं; प्रशांत सबसे बड़ा एवं गहरा महासागर है।
- जल चक्र: वाष्पीकरण → संघनन → वर्षण → संग्रहण।
- महासागरीय जल की गतियाँ: लहरें, ज्वार-भाटा एवं धाराएँ।

परीक्षा टिप: वायुमंडल = अधिकांश नाइट्रोजन (78%)। प्रशांत = सबसे बड़ा महासागर। भूकंप → रिक्टर पैमाना। अंतर्जात बल बनाते, बहिर्जात बल घिसते हैं।

अध्याय 6: भारत — भौतिक स्वरूप, जलवायु एवं संसाधन

विशेषता	मुख्य तथ्य
भौतिक विभाजन	हिमालय (उत्तर — वलित पर्वत, कंचनजंगा भारत में सर्वोच्च), उत्तरी मैदान (उपजाऊ, गंगा/सिंधु/ब्रह्मपुत्र से निर्मित), प्रायद्वीपीय पठार (दक्कन — बेसाल्ट), थार मरुस्थल (राजस्थान — सबसे बड़ा), तटीय मैदान व द्वीप।
नदियाँ	हिमालयी (बारहमासी): गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र। प्रायद्वीपीय: गोदावरी (सबसे लंबी प्रायद्वीपीय), कृष्णा, कावेरी, नर्मदा (पश्चिम बहने वाली)।
जलवायु	मानसूनी प्रकार; दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून–सितंबर) अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से अधिकांश वर्षा लाता है।
मृदाएँ	जलोढ़ (सर्वाधिक विस्तृत, मैदान), काली/रेगुर (कपास, दक्कन), लाल, लैटेराइट (अधिक वर्षा)।
प्राकृतिक वनस्पति	उष्ण सदाबहार, पर्णपाती (मानसून), कँटीली, मैंग्रोव (सुंदरबन), पर्वतीय वन।
संसाधन	नवीकरणीय (सौर, पवन, जल, वन) बनाम अनवीकरणीय (कोयला, पेट्रोलियम, खनिज)।

- भारत में 28 राज्य एवं 8 केंद्रशासित प्रदेश हैं; राजधानी नई दिल्ली। कर्क रेखा 8 राज्यों से गुज़रती है।
- संरक्षण: सतत उपयोग, वनरोपण, जैवविविधता की रक्षा (बाघ — राष्ट्रीय पशु; मोर — राष्ट्रीय पक्षी; कमल — राष्ट्रीय पुष्प)।

परीक्षा टिप: काली मृदा = कपास; जलोढ़ = सर्वाधिक विस्तृत व उपजाऊ। द.प. मानसून (जून–सित.) = मुख्य वर्षा। सबसे बड़ा मरुस्थल = थार। मानचित्र कौशल आवश्यक हैं।

खंड 3

राजनीति विज्ञान / नागरिकशास्त्र

संविधान, सरकार की संरचना एवं लोकतंत्र · ~10 प्रश्न (विषयवस्तु + शिक्षाशास्त्र)

अध्याय 7: भारतीय संविधान एवं अधिकार

- संविधान 26 नवंबर 1949 को अंगीकृत हुआ एवं 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ (गणतंत्र दिवस)।
- डॉ. बी. आर. अंबेडकर — प्रारूप समिति के अध्यक्ष, "भारतीय संविधान के जनक" कहलाते हैं।
- प्रस्तावना भारत को संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करती है — न्याय, स्वतंत्रता, समता व बंधुता।

मौलिक अधिकार (भाग III)	छह अधिकार: समता, स्वतंत्रता, शोषण के विरुद्ध, धार्मिक स्वतंत्रता, सांस्कृतिक व शैक्षिक, संवैधानिक उपचार (अनु. 32 — "आत्मा व हृदय")।
मौलिक कर्तव्य (भाग IV-क)	नागरिकों के ग्यारह कर्तव्य (42वें संशोधन द्वारा जोड़े गए)।
नीति निदेशक तत्व (भाग IV)	राज्य के लिए कल्याण हेतु दिशानिर्देश; न्यायालय में प्रवर्तनीय नहीं।
शिक्षा का अधिकार	अनु. 21क — 6–14 वर्ष हेतु निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा (RTE अधिनियम 2009)।

- अनुच्छेद 14 = विधि के समक्ष समता; अनुच्छेद 17 = अस्पृश्यता का अंत; अनुच्छेद 21 = जीवन का अधिकार।

परीक्षा टिप: अंगीकृत 26 नव. 1949, लागू 26 जन. 1950। अंबेडकर = प्रारूप अध्यक्ष। छह मौलिक अधिकार। RTE = अनुच्छेद 21क। अनु. 32 = "आत्मा व हृदय" (अंबेडकर)।

अध्याय 8: सरकार — संघ, राज्य एवं स्थानीय

अंग / स्तर	मुख्य बातें
विधायिका (संसद)	लोकसभा (जनता का सदन, कार्यकाल 5 वर्ष, न्यूनतम आयु 25) + राज्यसभा (राज्यों की परिषद, 12 मनोनीत सदस्य) + राष्ट्रपति। कानून बनाती है।
कार्यपालिका	राष्ट्रपति (राज्य प्रमुख, निर्वाचक मंडल द्वारा चयनित) + प्रधानमंत्री व मंत्रिपरिषद (वास्तविक शक्ति)। कानून लागू करती है।
न्यायपालिका	उच्चतम न्यायालय (नई दिल्ली) → उच्च न्यायालय (राज्य) → ज़िला/निचले न्यायालय। स्वतंत्र; कानून की व्याख्या व अधिकारों की रक्षा।
राज्य सरकार	राज्यपाल (संवैधानिक प्रमुख) + मुख्यमंत्री व परिषद; विधानसभा।
स्थानीय सरकार	ग्रामीण: त्रिस्तरीय पंचायती राज (ग्राम पंचायत → ब्लॉक → ज़िला परिषद)। शहरी: नगरपालिका / नगर निगम।

- तीन अंग शक्तियों का बँटवारा करते हैं: विधायिका बनाती, कार्यपालिका लागू करती, न्यायपालिका व्याख्या करती है।
- राष्ट्रपति प्रधानमंत्री नियुक्त करता है; प्रधानमंत्री वास्तविक कार्यपालिका का प्रमुख है। उपराष्ट्रपति राज्यसभा का सभापति होता है।

परीक्षा टिप: लोकसभा = जनता का सदन (न्यूनतम आयु 25, कार्यकाल 5 वर्ष)। राष्ट्रपति = नाममात्र प्रमुख, प्रधानमंत्री = वास्तविक प्रमुख। पंचायती राज = 3 स्तर। उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में।

अध्याय 9: लोकतंत्र, चुनाव एवं विविधता

- लोकतंत्र = जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए शासन; सहभागिता, समानता, विधि का शासन व जवाबदेही पर आधारित।
- सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार: प्रत्येक 18 वर्ष व उससे अधिक का नागरिक मत दे सकता है (61वें संशोधन ने आयु 21 से 18 की)।
- भारत निर्वाचन आयोग स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराता है।
- भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है — सभी धर्मों का समान सम्मान; भाषाओं, धर्मों व संस्कृतियों की "अनेकता में एकता"।
- समानता व सामाजिक न्याय के मुद्दे: महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति/जनजाति, अल्पसंख्यकों के अधिकार; भेदभाव व बाल श्रम के विरुद्ध।
- नागरिकों के अधिकार व कर्तव्य दोनों हैं; नागरिक शिक्षा का लक्ष्य एक जागरूक, उत्तरदायी नागरिक है।

परीक्षा टिप: मतदान आयु = 18 (61वाँ संशोधन)। चुनाव निर्वाचन आयोग द्वारा। लोकतंत्र = सहभागिता + समानता। धर्मनिरपेक्षता = सभी धर्मों का समान सम्मान।

खंड 4

अर्थशास्त्र

मूल आर्थिक विचार, अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक एवं विकास · ~5 प्रश्न (विषयवस्तु + शिक्षाशास्त्र)

अध्याय 10: आर्थिक अवधारणाएँ

अर्थशास्त्र	यह अध्ययन कि लोग असीमित आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु सीमित संसाधनों का उपयोग कैसे करते हैं।
दुर्लभता व चयन	संसाधन सीमित हैं, अतः हमें चयन करना पड़ता है — हर चयन का एक अवसर लागत होता है।
आवश्यकता बनाम इच्छा	आवश्यकताएँ अनिवार्य (भोजन, आश्रय); इच्छाएँ आवश्यकता से परे की चाहतें।
वस्तु व सेवा	वस्तुएँ मूर्त (चावल, पुस्तक); सेवाएँ अमूर्त (शिक्षण, बैंकिंग)।
माँग व आपूर्ति	माँग के नियम अनुसार, कीमत घटने पर माँग सामान्यतः बढ़ती है (व विपरीत)।

- उत्पादन के कारक: भूमि, श्रम, पूँजी एवं उद्यमिता।
- वस्तु-विनिमय = वस्तु के बदले वस्तु; मुद्रा वस्तु-विनिमय की समस्याओं को दूर करती है।

परीक्षा टिप: दुर्लभता चयन को बाध्य करती है → अवसर लागत। माँग का नियम: कीमत बढ़े → माँग घटे। वस्तु = मूर्त; सेवा = अमूर्त।

अध्याय 11: क्षेत्रक, मुद्रा एवं विकास

क्षेत्रक	गतिविधियाँ
प्राथमिक	कृषि, मत्स्य, खनन — प्राकृतिक संसाधनों का सीधा उपयोग। भारत में सर्वाधिक लोगों को रोज़गार।
द्वितीयक	विनिर्माण — कच्चे माल को वस्तुओं में बदलना (कारखाने)।
तृतीयक	सेवाएँ — बैंकिंग, परिवहन, शिक्षा, व्यापार। GDP में इसका हिस्सा बढ़ रहा है।
चतुर्थक	ज्ञान/सूचना सेवाएँ।

मुद्रा, बैंकिंग एवं विकास

- मुद्रा के कार्य: विनिमय का माध्यम, मूल्य का संचय, लेखा इकाई।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) मुद्रा जारी करता है व "बैंकों का बैंक" है; SEBI शेयर बाज़ार को नियंत्रित करता है।
- कर: प्रत्यक्ष (आयकर — आय पर) बनाम अप्रत्यक्ष (GST — वस्तु/सेवा पर)।
- विकास सूचक: प्रति व्यक्ति आय, साक्षरता दर, स्वास्थ्य; मानव विकास सूचकांक (HDI) स्वास्थ्य, शिक्षा व आय को मिलाता है।
- सतत विकास भावी पीढ़ियों को हानि पहुँचाए बिना वर्तमान आवश्यकताएँ पूरी करता है।

परीक्षा टिप: प्राथमिक = कृषि; द्वितीयक = विनिर्माण; तृतीयक = सेवाएँ। RBI मुद्रा जारी करता है। प्रत्यक्ष कर = आयकर; अप्रत्यक्ष = GST। HDI = स्वास्थ्य + शिक्षा + आय।

खंड 5

सामाजिक विज्ञान का शिक्षाशास्त्र

उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान को प्रभावी ढंग से कैसे पढ़ाएँ · CTET पेपर II में 20 प्रश्न

अध्याय 12: प्रकृति, उद्देश्य एवं विधियाँ

प्रकृति एवं उद्देश्य

- सामाजिक विज्ञान इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान एवं अर्थशास्त्र का एकीकृत अध्ययन है — इसे जुड़े, अंतरविषयक ढंग से पढ़ाना सर्वोत्तम है।
- मुख्य उद्देश्य: लोकतंत्र, समानता, न्याय व विविधिता-सम्मान के मूल्यों वाले जागरूक, उत्तरदायी एवं सक्रिय नागरिक विकसित करना — मात्र तथ्य व तिथियाँ रटना नहीं।
- आलोचनात्मक चिंतन, दृष्टिकोण-समझ, मानचित्र व समय बोध, एवं स्रोतों पर प्रश्न उठाने की क्षमता विकसित करता है।

शिक्षण विधियाँ

विधि	उपयोग
स्रोत-आधारित / अन्वेषण	शिक्षार्थी प्राथमिक स्रोतों की जाँच कर साक्ष्य-आधारित निष्कर्ष निकालते हैं (इतिहास हेतु सर्वोत्तम)।
परियोजना विधि	वास्तविक समस्या का अन्वेषण; शोध, टीम कार्य व अनुप्रयोग विकसित करती है।
चर्चा व वाद-विवाद	तर्क, अभिव्यक्ति एवं सामाजिक मुद्दों पर अनेक दृष्टिकोण बनाती है।
कहानी-कथन व नाट्य-रूपांतरण	घटनाओं को जीवंत व स्मरणीय बनाती; सहानुभूति विकसित करती है।
क्षेत्र भ्रमण व सर्वेक्षण	वास्तविक संसार से प्रत्यक्ष अवलोकन एवं आँकड़ा संग्रह।
रचनावादी उपागम	शिक्षार्थी पूर्व ज्ञान से समझ का सक्रिय निर्माण करते हैं; शिक्षक सुविधादाता।

परीक्षा टिप: सामाजिक विज्ञान = एकीकृत; उद्देश्य = उत्तरदायी नागरिकता, रटे तथ्य नहीं। अन्वेषण/स्रोत-आधारित व परियोजना विधियाँ वरीय उत्तर; "व्याख्यान/रटना" विकल्प गलत।

अध्याय 13: शिक्षण-सहायक, परियोजना एवं आकलन

शिक्षण-सहायक सामग्री

- मानचित्र व ग्लोब स्थानिक समझ विकसित करते हैं; रूपरेखा मानचित्र स्थान चिह्नित करने हेतु; विषयगत मानचित्र (जनसंख्या, वर्षा); भौतिक बनाम राजनीतिक मानचित्र।
- समयरेखाएँ इतिहास में कालक्रम एवं परिवर्तन व निरंतरता का बोध विकसित करती हैं।
- चार्ट, मॉडल, चित्र, फ्लो चार्ट (प्रक्रिया), दंड आरेख (तुलना), पाई चार्ट (पूर्ण के भाग)।
- कम-लागत, स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री को वरीयता दें; पाठों को शिक्षार्थी के वास्तविक परिवेश व सामयिक घटनाओं से जोड़ें।

आकलन

- विविध उपकरण प्रयोग करें: परियोजना, क्षेत्र रिपोर्ट, मानचित्र कार्य, पोर्टफोलियो, अवलोकन, मुक्त व उच्च-स्तरीय प्रश्न।

• उच्च-स्तरीय प्रश्न ("क्यों", "क्या होता यदि", "आप कैसा महसूस करते यदि...") आलोचनात्मक चिंतन व सहानुभूति विकसित करते हैं — मात्र तिथियाँ रटना नहीं।

• आकलन सतत, व्यापक एवं समझ व नागरिकता कौशल सुधारने हेतु लक्षित हो।

• एक अच्छा सामाजिक विज्ञान शिक्षक सुविधादाता है जो स्रोतों व सामाजिक मुद्दों पर प्रश्न को प्रोत्साहित करता, विविधता का सम्मान करता व अधिगम को जीवन से जोड़ता है।

परीक्षा टिप: मानचित्र → स्थानिक बोध; समयरेखा → कालक्रम/परिवर्तन। पाई चार्ट = पूर्ण के भाग; दंड आरेख = तुलना। मुक्त, स्रोत-आधारित, परियोजना आकलन को वरीयता दें।

इस सामग्री का उपयोग कैसे करें

- प्रत्येक अध्याय को Zenith Educare के CTET पेपर II मॉक टेस्ट के संबंधित प्रश्नों से जोड़ें।
- परीक्षा से एक दिन पहले परीक्षा-टिप बॉक्स दोहराएँ — इनमें सर्वाधिक आने वाले तथ्य हैं।
- मानचित्र कार्य (भारत भौतिक/राजनीतिक) एवं समयरेखाओं का नियमित अभ्यास करें — ये हर वर्ष आते हैं।
- याद रखें: बाल विकास एवं भाषा I व II दोनों पेपरों में समान हैं — इन्हें पेपर I सामग्री से पढ़ें।
- zenitheducare.com पर सभी 10 पेपर II मॉक टेस्ट समयबद्ध रूप से हल करें (150 प्रश्न · 2.5 घंटे)।

CTET सितंबर 2026 के लिए शुभकामनाएँ!

Zenith Educare · Indra Vihar, Kota, Rajasthan 324005 · info@zenitheducare.com · www.zenitheducare.com